जगत में भी जिस व्यक्ति से नाता जुडता है उस व्यक्ति के अनुसार ही गती होती है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

एक आदमी की चार बेटियाँ थीं। उसने अपनी चार बेटियों की शादीयाँ चार सगे भाइयों के साथ कर दी। वो बहुत खुश था कि उसके बेटियों की शादी अच्छे परिवार में हुई जहा सबको एकसा सुख मिलेगा।

चार भाइयों में से एक ने आईएस परीक्षा पास की और कलेक्टर बन गया। अन्य को आईपीएस के लिए समझौता करना पड़ा और पुलिस अधिकारी बने। तीसरे भाई ने बैंक परीक्षा पास कर ली और क्लर्क बन गया, जबकि चौथे भाई को शराब की लत लग गई और उसने अपना सब कुछ खो दिया।

चार बेटियों का क्या होता है? एक बेटी को एक आईएएस अधिकारी की पत्नी होने के नाते सब प्रकार सुख और सम्मान का आनंद मिला। आईपीएस अधिकारी की पत्नी ने भी अपने विशेषाधिकारों का आनंद लिया, क्लर्क की पत्नी ने एक सामान्य जीवन जीया, जबकि व्यसनी की पत्नी पैसे की कमी से परेशान थी और भीख मांगने पर मजबूर हो गयी।

इस प्रकार उन बेटियों का जिससे नाता जुडा उसके पास जो था, वही चीज उन बेटियों को मिल गयी।

मुक्केबाज अपने पेट में जोर से मुक्के लगवाता है लेकिन वही मुक्का तुरंत के पैदा हुए बच्चे को मार डालेगा।

उपर दिए हुए उदाहरण जैसे कई उदाहरण दिए जा

सकते है जिससे ये साबित होता है किसी भी क्रिया का परिणाम वो क्रिया जिस पर निर्देशित की जाती है उसके अनुसार मिलता है। एक ही काम है, लेकिन कार्रवाई के निर्देश के आधार पर अलग-अलग परिणाम प्राप्त होता है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इसलिए यदि हम भगवान से नाता जोडेंगे तो भगवान के पास जो सामान है - अनंत आनंद, शाश्वत सुख, नित्य जीवन - वो हमे मिल जायेगा।

प्यार करने के तरीके अलग नहीं हैं, लेकिन प्यार संसारी व्यक्ति की जगह दिव्य व्यक्तित्व भगवान से ही करना चाहिए।